निबंध वर्षा ऋतु

प्रस्तावना :

भारत में वर्षा ऋतु जुलाई महीने में शुरू हो जाती है और सितंबर के आखिरी तक रहती है| ये असहनीय गरमी के बाद सभी के जीवन में उम्मीद और राहत की फुहार लेकर आती है | इंसानों के साथ ही पेड़, पौधे, चिड़ियाँ और जानवर सभी उत्सुकता के साथ इसका इंतजार करते हैं| और इसके स्वागत के लिए ढेर सारी तैयारियाँ करते हैं| इस मौसम में सभी को राहत की साँस और सुकून मिलता है| आकाश बहुत चमकदार और हल्के नीले रंग का दिखाई पड़ता है| और कई बार तो सात रंगों वाला इंद्रधनुष भी दिखाई देता है| पूरा वातावरण सुंदर और आकर्षक दिखाई पड़ता है| आकाश में सफेद, भूरा और गहरा काला बादल भ्रमण करता हुआ दिखाई देता है|

प्रकृति पर वर्षा ऋतु का प्रभाव :

सभी पेड़ और पौधे नई हरी पत्तियों से भर जाते हैं| उद्यान और मैदान सुंदर दिखाई देने वाली हरी मखमली घासों से ढक जाते हैं| जल के सभी स्रोत जैसे नदियाँ तालाब गड्ढे इत्यादि भर जाते हैं | वर्षा ऋतु के ढेर सारे फायदे और नुकसान हैं | एक तरफ यह लोगों को गरमी से राहत देती है तो इसमें कई सारी संक्रामक बीमारियों के फैलने का डर बना रहता है| इसके कारण डाइरिया, पेचिश, टाईफाइड और पाचन संबंधित परेशानियाँ सामने आती हैं | यह मौसम किसानों के लिए फसलों के लिहाज से बहुत फायदेमंद रहता है |

निष्कर्ष :

वर्षा ऋतु में जीव जन्तु भी बढ़ने लगते हैं | यह हर एक के लिए शुभ मौसम होता है| सभी इसमें खुशी के साथ ढेर सारी मस्ती करते हैं| इस मौसम में हम सभी पके हुए आम का लुत्फ उठाते हैं | वर्षा से फसलों के लिए पानी मिलता है तथा सूखे हुए कुएं तालाबों तथा नदियों को फिर से भरने का कार्य वर्षा द्वारा ही किया

जाता है | इसलिए कहा जाता है कि जल ही जीवन है तथा जल से ही हम जीवित हैं|